हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 12 अंक : 91 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 28 सितंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

चिन्हित वाइब्रेंट विलेज को वाईब्रेंट बनाने के लिए शासन में मंथन शुरू 3

पुष्करराज के 10 नए योद्धा तैनात

धामी सरकार ने दायित्वधारियों की घोषणा की

पसमांदा मुस्लिम समाज के मुफ़्ती शमून कासमी को मदरसा बोर्ड अध्यक्ष तो ज्योति प्रसाद गैरोला को बीस सूत्रीय की कमान, अनिल डब्बू को मंडी तो पासी को बीज संस्था, कैलाश पंत को श्रम बोर्ड मधु भट्ट को संस्कृत और कला परिषद

मौ.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गज़ब की कार्यशैली के चलते देश में सबसे तेजी से लोकप्रिय होने वाले युवा नेता साबित हो रहे है,सरकार चलाने का हुनर हो या बेलगाम सिस्टम पर लगाम कसने की बाजीगरी या फिर दायित्व सौंपने में कुशल कार्यकर्ताओं का चुनाव, हर मोर्चे पर धामी के चर्चे ये साबित करते है कि वो प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को समझने और साकार करने के हुनर में एक माहिर सेनापति साबित हो रहे है, टीम धामी का सिलेक्शन प्रोसेस दायित्वधारियों को सूची से साफ झलक रहा है।

इंतज़ार की घड़ी कुछ हद तक खत्म हुयी है और बटने लगे है दायित्व ... जब सीएम लंदन में राज्य की खुशहाली के लिए हज़ारों करोड़ का निवेश अपने चुंबकीय नेतृत्व से आकर्षित कर रहे हैं ऐसे में पार्टी नेताओं की झोली में भी खुशिया आ ही गयी है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने जानकारी दी है कि शासन द्वारा जनहित में दस महानुभावों को दायित्व प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

मोदी विज़न के तहत श्रम और वफादारी की बुनियाद पर 10 ज़मीनी और मज़बूत कार्यकर्ताओं को दायित्व बांटे गए है,सबसे वरिष्ठ और पुराने कार्यकर्ता के तौर पर ज्योति प्रसाद गैरोला और बलराज पासी का नाम है तो महिला दायित्वधारी मधु भट्ट रही जबकि एकमात्र अल्पसंख्यक दायित्वधारी देश के जानेमाने मुस्लिम विद्वान मुफ्ती शमून क़ासमी बनाए गए है। कैलाश पंत और अनिल डब्बू को भी बड़े दायित्व दिए गए है

प्रधानमंत्री मोदी जिस पसमांदा मुस्लिम समाज को मुख्यधारा से जोड़ना चाहते है,मुफ्ती शमून क़ासमी उसी मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व करते है, उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के चेयरमैन बनाए गए मुफ्ती शमून क़ासमी टीम अन्ना के संस्थापक सदस्य रहे है और वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल व पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी के व्यक्तिव से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए थे जिन्हे भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और कोश्यारी ने 2014 में भाजपा ज्वाइन कराई थी तभी से मुफ्ती शमून क़ासमी राष्ट्रीय न्यूज चैनलों पर एक प्रखर मुस्लिम विद्वान के तौर पर सक्रिय है और भाजपा सरकारों का मज़बूत पक्ष रखते है। मुफ्ती शमून क़ासमी एक ज़मीनी व्यक्तित्व है और मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के पक्षधर है,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य होने के साथ साथ अल्पसंख्यक मंत्रालय ,भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण समिति के सदस्य भी है,राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में सलाहकार के रूप में भी उनका योगदान है। यूनाइटेड नेशन में पल्स पोलियों अभियान और योग को शिक्षा से जोड़ने के लिए विश्वविख्यात मुफ्ती शमून क़ासमी बाबा रामदेव के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के मिशन आयुष के मजबूत आधार देने की कोशिशों में काफी सक्रिय रहते है । आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संयोजक इंद्रेश कुमार मुफ्ती शमून को राष्ट्रवादी मुस्लिम विद्वान के तौर पर काफ़ी सराहते है।

मोदी विज़न के तहत श्रम और वफादारी की बुनियाद पर जिन 10 ज़मीनी कार्यकर्ताओं को दायित्व बांटे गए वो इस प्रकार है।

पढ़िए लिस्ट

1. **ज्योति प्रसाद गैरोला :** उपाध्यक्ष, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति (राज्य स्तरीय)
2. **रमेश गडिया :** उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय जलागम परिषद
3. **मधु भट्ट :** उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड संस्कृत साहित्य एवं कला परिषद
4. **मुफ्ती शमून कासमी :** अध्यक्ष, उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद्
5. **बलराज पासी,** अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य बीज एवं जैविक उत्पाद प्रमाणीकरण संस्था
6. **सुरेश भट्ट,** उपाध्यक्ष राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद
7. **अनिल डब्बू,** अध्यक्ष कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड (मंडी)
8. **कैलाश पंत,** अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड
9. **शिव सिंह बिष्ट,** उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना राज्य स्तरीय अनुश्रवण परिषद्
10. **नारायण राम टम्टा,** अध्यक्ष, हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्था.

खुद के दम पर बने करोड़पति, इन चीजों पर कभी खर्च ना पैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 सितम्बर : पैसे कमाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता. लेकिन कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें बहुत कम समय में वह सब कुछ मिल जाता है, जिसकी उन्हें चाह होती है. जोनाथन सांचेज इनमें से एक हैं. अपने दम पर बेहद कम उम्र में वह करोड़पति बन चुके हैं. वेब पोर्टल के जरिए वे लोगों को बेस्ट इन्वेस्टमेंट के बारे में बताते हैं. कैसे पैसे कमाए जाएं? कैसे बचाया जाए? इसके टिप्स देते हैं. इस बार उन्होंने अपनी लाइफ के 5 सीक्रेट्स शेयर किए हैं. और कुछ चीजें बताई हैं, जिनपर वे कभी पैसा खर्च नहीं करते. इसे वे बेकार इन्वेस्टमेंट बताते हैं. उनका दावा है कि यह टिप्स आपको जल्द अमीर बनने में मददगार हो सकता है.

जोनाथन सांचेज ने कहा, कंजूसी में जीने का मतलब कम खर्च करना या सस्ती चीजें खरीदना है. फिजूलखर्ची से बचना भी बहुत महत्वपूर्ण है. मैं इन पांच चीजों पर अपना पैसा और समय खर्च करने से बचता हूं. पहली चीज, जब भी किसी के पास कुछ पैसे आते हैं तो वह नई कार के पीछे भागता है. लेकिन आज तक मैंने कोई नई कार नहीं खरीदी. क्योंकि केवल पांच साल में कार की कीमत लगभग 60 प्रतिशत कम हो जाती है. उसके खर्चे और मेंटेनेंस भी कम नहीं. सेकेंड हैंड कार खरीदना बेहतर फैसला है.

जोनाथन सांचेज ने कहा, कंजूसी में जीने का मतलब कम खर्च करना या सस्ती चीजें खरीदना है. फिजूलखर्ची से बचना भी बहुत महत्वपूर्ण है. मैं इन पांच चीजों पर अपना पैसा और समय खर्च करने से बचता हूं. पहली चीज, जब भी किसी के पास कुछ पैसे आते हैं तो वह नई कार के पीछे भागता है. लेकिन आज तक मैंने कोई नई कार नहीं खरीदी. क्योंकि केवल पांच साल में कार की कीमत लगभग 60 प्रतिशत कम हो जाती है. उसके खर्चे और मेंटेनेंस भी कम नहीं. सेकेंड हैंड कार खरीदना बेहतर फैसला है.

जोनाथन की चौथी टिप्स है कि सोफे, फ्रिज जैसी कोई भी महंगी वस्तु खरीदें, उसकी क्वालिटी पर ज्यादा ध्यान दें. खरीदने से पहले अच्छे से रिसर्च जरूर करें.क्वालिटी बेहतर होगी तो ज्यादा दिन तक चलेगी और आपको फिर इन्वेस्ट करना होगा. इसमें पैसा ज्यादा खर्च होगा और आपकी जेब हल्की होगी. उनकी पांचवीं टिप्स है कि कई लोग कुछ पैसे बचाने के लिए घंटों काम करते हैं. जैसे लॉन की घास काटना हो. आपका ज्यादातर बहुमूल्य समय इसमें खर्च हो जाता है. लेकिन कुछ पैसे में माली इस काम को अच्छे से कर सकता है. अपने समय को आप परिवार के साथ या उन चीजों में लगाएं जहां से पैसे बना सकें।

जिसे आप गैस का दर्द समझ रहे कहीं वो Heart Attack का लक्षण तो नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 सितम्बर : हृदय की समस्या की समय पर पहचान करने के लिए पटियाला के मणिपाल हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी डॉ. संदीप ठक्कर ने यहां पांच मेडिकल टेस्ट बताए हैं, जिनसे अनुमान लगाया जा सकता है, कि व्यक्ति को हृदय रोग है, या नहीं ईसीजी हृदय की इलेक्ट्रिक गतिविधि को रिकॉर्ड करता है। यह हृदय रोग की जांच के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। ECG मशीन में हृदय के इलेक्ट्रिकल सिग्नल रिकॉर्ड होते हैं, तो रिपोर्ट में वेवफॉर्म के रूप में छप जाते हैं।

इस प्रक्रिया में यह आकलन किया जाता है कि व्यायाम या तनाव के लिए हृदय क्या प्रतिक्रिया देता है। यह व्यक्ति की फिटनेस के बारे में महत्वपूर्ण विवरण देता है और बताता है कि उनके शरीर पर भार पड़ने पर उन्हें छाती में बेचैनी या सांस फूलने की समस्या होती है या नहीं। इसका उपयोग कोरोनरी आर्टरी के संकरे होने, उनमें ब्लॉकेज, या अन्य समस्याओं का पता लगाने के लिए किया जाता है। इसमें हृदय की पेशी में रक्त संचार का परीक्षण होता है। यह कार्डियोलॉजी में एक महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक उपकरण है, और डॉक्टरों को यह तय करने में मदद करता है व्यक्ति के लिए कौन सा इलाज किया जाना चाहिए।

इस इमेजिंग तकनीक का उपयोग हृदय की संरचना और संचालन देखने के लिए किया जाता है। इससे हृदय एवं उसके चारों ओर की रक्त वाहिनियों का विस्तृत चित्र मिल जाता है, और यह आकलन करने में मदद मिलती है कि हृदय कितनी अच्छी तरह से खून को पंप कर पा रहा है।

ये मेडिकल टेस्ट हृदय की समस्याओं के इलाज और स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि इनसे हृदय की समस्याओं की समय पर पहचान, निदान और इलाज में मदद मिलती है। हृदय की स्थिति की जांच के लिए डॉक्टर विभिन्न तरह के टेस्ट का परामर्श दे सकते हैं, जो विभिन्न तत्वों, जैसे मरीज के लक्षणों और उसकी मेडिकल बैकग्राउंड के आधार पर तय किए जाते हैं। हृदय रोग के शुरुआती संकेतों व लक्षणों को पहचानना और उनके लिए तुरंत डॉक्टर का परामर्श लिया जाना भी बहुत जरूरी है।

ऊंचाई पर रहने वालों में मोटापा कम क्यों होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , मोटापे से जुड़े सीधे तौर पर कई कारण हैं जैसे जेनेटिक, पर्यावरणीय, डाइट, कुछ बीमारियां, नशे की आदत व व्यायाम न करना आदि। लेकिन कुछ कारण ऐसे भी जो सीधे तौर पर नहीं, पर मोटापे को बढ़ाते हैं। इनमें अधिक तापमान, अधिक ह्यूमिडिटी या कम ऊंचाई पर रहना आदि हैं।

मोटापे से जुड़े सीधे तौर पर कई कारण हैं जैसे जेनेटिक, पर्यावरणीय, डाइट, कुछ बीमारियां, नशे की आदत व व्यायाम न करना आदि। लेकिन कुछ कारण ऐसे भी जो सीधे तौर पर नहीं, पर मोटापे को बढ़ाते हैं। इनमें अधिक तापमान, अधिक ह्यूमिडिटी या कम ऊंचाई पर रहना आदि हैं।

हाल ही एक रिसर्च अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुआ है जिसमें कहा गया है कि सामान्य सतह पर रहने वालों तुलना में अधिक ऊंचाई पर रहने वालों में मोटापा कम है। यह अध्ययन 500, 1000, 1500 और 2000-2500 मीटर ऊंचाई के आधार पर किया गया था। जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती गई, इसी अनुपात में मोटापा भी कम होता गया। एक अन्य अध्ययन में स्पेन व तिब्बत को उदाहरण के रूप में बताया गया है कि वहां मोटापा कम है।

एक धारणा यह है कि जैसे-जैसे ऊपर जाते हैं तो वायु दाब कम होने से शरीर में ऑक्सीजन

की कमी होने लगती है। इसे हाइपोक्सिया कहते हैं। इससे शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं। जैसे लैक्टिन नामक हार्मोन ज्यादा बनने लगता है। यह फैट सेल्स में बनता है, जो ब्लड में मिलकर दिमाग तक पहुंचता और भूख की क्षमता में कमी लाता है।

दूसरी धारणा में कहा गया है कि हाइपोक्सिया से शरीर में नॉरएडर-लिन हार्मोन का स्त्राव बढ़ जाता है। यह एड्रिनल ग्रंथि से निकलता है। इसकी मात्रा बढने से मेटाबोलिक दर काफी बढ़ जाती है और शरीर में ऊर्जा का संचय होता है। इससे भी मोटापा नहीं होता है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि अधिक ऊंचाई पर रहने वाले लोग स्मोकिंग कम करते हैं। यह मोटापे को सीधे ही प्रभावित करता है। इससे भी मोटापा कम होता है।

इस घरेलू नुस्खे से मिलेगी थायराइड से मुक्ति !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , थायराइड हार्मोन के कम स्रावित होने से शरीर की मेटाबॉलिक क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं. थकान, कब्ज, पीरियड्स में अनियमितता, वजन बढ़ना, त्वचा का रूखापन, बालों का टूटना, गले में खराश आदि लक्षण दिखते हैं. इस घरेलू विधि से हम समाधान प्राप्त कर सकते हैं.आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में थाइराइड बीमारी से बचाव के लिए हरे धनियां का उपयोग बताया है, जिसमें हरे धनिये को गर्म या गुनगुने पानी मे उबालकर पीने से मरीजो को थाइराइड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

थायराइड कैंसर के लक्षण

वैसे तो थायराइड कैंसर से कम ही लोग मरते हैं, लेकिन इसकी गंभीरता को नजर अंदाज करना आपको मौत के करीब ला सकता है. थायराइड कैंसर कई प्रकार के होते हैं, जिसमें से कुछ इस स्वाभाव के होते हैं कि तेजी से हड्डियों और शरीर के दूसरे अंगों में फैलने लगते हैं. ऐसे में सबसे ज्यादा खतरा आपके फेफड़ों को होता है.

चिकित्सक ने दिया ये खास सलाह

आयुर्वेद चिकित्सा डॉ दीप्ति नामदेव ने बताया कि थायराइड बीमारी के लक्षण ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलते हैं, जिससे बालों का टूटना, गले में खराश, कब्ज, हड्डियों में दर्द और थकान आदि थायराइड के मुख्य लक्षण हैं.

हरा धनियां की चटनी फी फायदेमंद

यह बीमारी दो प्रकार की होती है हाइपोथायरायडिज्म और हाइपोथायरायडिज्म. जिसमे शरीर की हड्डियों में दर्द होता है. इस बीमारी से ग्रसित बहुत से मरीजों में दुबलापन और मोटापा आना इसके मुख्य लक्षण है. साथ ही घर की रसोई में हरा धनिया होता ही है, जिसकी चटनी बनाकर, हल्के कुनकुने पानी मे घोलकर पीने से इस बीमारी से छुटकारा मिल सकता है.

चिन्हित वाइब्रेंट विलेज को वाईब्रेंट बनाने के लिए शासन में मंथन शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितंबर , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। मुख्य सचिव ने वाईब्रेंट विलेज योजना के माध्यम से इन सीमा क्षेत्र के गांवों को जीवन्त करने के लिए इन गांवों से पलायन कर चुके लोगों को वापस लाने के लिए जिलाधिकारियों को चिन्हित वाइब्रेंट विलेज को वाईब्रेंट बनाने के लिए ऐसी योजनाओं को संचालित करने के निर्देश दिए जो व्यवहारिक और सतत हों।

मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल योजनाओं से वाइब्रेंट विलेज को संतृप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि वाईब्रेंट विलेज का हर गांव विशिष्ट है, उसकी अपनी क्षमताएं एवं सम्भावनाएं हैं। क्षेत्र की क्षमताओं और सम्भावनाओं को तलाशते हुए योजनाएं तैयार की जाएं और इन्हें सतत बनाने के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने इन वाईब्रेंट विलेज के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को भी सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाईब्रेंट विलेज में नियुक्त स्वास्थ्यकर्मियों को रहने के लिए अच्छी आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जाए। साथ ही कर्मचारियों को एक-दो महीने के लिए रोटेशन के आधार पर नियुक्त किया जाए। सिर्फ वाईब्रेंट विलेज ही नहीं बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं।

मुख्य सचिव ने इन वाईब्रेंट विलेज के लिए यूपीसीएल को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि जहां ग्रिड से विद्युत आपूर्ति करना सम्भव न हो वहां सौर ऊर्जा एवं अन्य विकल्पों से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में भेड़-बकरी पालन से रोजगार की अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। इसके लिए विशेष योजनाएं संचालित की जाएं। मुख्य सचिव ने इन क्षेत्रों के लिए मोबाईल वैन वैटेनरी यूनिट की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी ने स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। सभी वाईब्रेंट विलेज बॉर्डर एरिया में होने के कारण यह निर्णय स्थानीय उत्पादों के लिए एक अच्छा बाजार उपलब्ध कराएगा। उन्होंने उत्पादों की सतत आपूर्ति एवं गुणवत्ता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वाईब्रेंट विलेज के स्थानीय उत्पादों के परम्परागत बीजों के लिए भी सब्सिडी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने पंचायती राज विभाग को प्रत्येक वाईब्रेंट विलेज में पंचायत भवन एवं खेल विभाग को भूमि की उपलब्धता के अनुसार खेल का मैदान अनिवार्य रूप से बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल, व्यायाम के उपकरणों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्थानीय युवाओं को गाईड की ट्रेनिंग भी उपलब्ध कराए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्थानीय कलाकारों को जोड़ते हुए सांस्कृतिक ग्रुप तैयार किए जाएं। साथ ही, स्थानीय वाद्य यंत्रों का वितरण भी किया जाए। मुख्य सचिव ने इन कलाकारों एवं गाईड के लिए शुरूआती एक-दो वर्षों के लिए मानदेय दिए जाने की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएं। कहा कि स्थानीय धार्मिक-आध्यात्मिक घटनाओं से सम्बन्धित वाईब्रेंट विलेज की जानकारी के साईनेज आदि लगाए जाएं ताकि पर्यटक इनकी ओर आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्राकृतिक सुन्दरता को संजोए रखते हुए निर्माण कार्यों में स्थानीय भवन निर्माण कलाओं का प्रयोग किया जाए। कंक्रीट और स्टील का कम से कम प्रयोग किया जाए।

इस अवसर पर सचिव राधिका झा, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, डॉ. रंजीत सिन्हा, दीपेन्द्र कुमार चौधरी, अपर सचिव सी. रविशंकर, रंजना राजगुरू, युगल किशोर पंत, निदेशक आईटीडीए नितिका खंडेलवाल सहित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जनपदों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप कार्यों की ऑनरशिप लें : राधा रतूड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , एसीएस राधा रतूड़ी ने सभी विभागों के अधिकारियों को समीक्षा बैठकों के निर्देशों के क्रियान्वयन में पत्राचार की औपचारिकता से आगे बढ़कर कार्यों को पूरा करने के लिए डेडलाइन निर्धारित करने की हिदायत दी है। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप अपने कार्यों की ऑनरशिप लेने की भी बात कही। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई विधान सभा क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठकों में दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

सचिवालय में एसीएस ने संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, खेल विभाग, पर्यटन विभाग, राजस्व विभाग, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, आपदा प्रबन्धन विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा वन एवं पर्यावरण विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने वन व अन्य सम्बन्धित विभागों को राज्य में वन गुर्जरों, बोक्सा जनजाति तथा अन्य गुमन्तु जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने, पुनर्वास तथा उनके विकास व कल्याण के लिए संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

एसीएस ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को पर्वतीय क्षेत्रों विशेषकर चारधाम यात्रा पर नये टावर लगाने के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। एसीएस राधा रतूड़ी ने आपदा प्रबन्धन विभाग को आपदा सुरक्षा सम्बन्धित कार्यों तथा ग्राम्य विकास विभाग को पीएमजीएसवाई योजनान्तगर्त सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत सम्बन्धी कार्य को पूरा करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर सचिव सविन बंसल, रंजना राजगुरू तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति को डीएम सोनिका की सख्त हिदायत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 सितंबर , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिशा समिति की पूर्व में आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन एवं विभाग में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएच, एनएचआई, लोनिवि, पीएमजीएसवाई, सिंचाई, जल संस्थान, पेयजल निगम, नगर निगम आदि विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। तथा आयोजित होने वाली दिशा समिति की बैठक में पूर्ण जानकारी एवं विवरण के साथ उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप नगर आयुक्त नगर निगम गोपाल राम बिनवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय जैन, विशेष भूमि अध्यापति अधिकारी के.एस नेगी, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ मीनाक्षी जोशी, अधीक्षण अभियन्ता जल संस्थान नमित रमोला, अधि0 अभि0 लोनिवि प्रवीन कुमार, जिला पंचातयतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्टफोन के स्पीकर से आवाज नहीं आ रही तो करे ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 सितम्बर : अक्सर ऐसा होता है कि किसी वजह से स्मार्टफोन की आवाज कम हो जाती है। ऐसे में जब आप अपने स्मार्टफोन पर गाने सुनते हैं या गेम खेलते हैं तो आपको आवाज ठीक से सुनाई नहीं देती है। इस समस्या के समाधान के लिए ज्यादातर लोग अपने मोबाइल को रिपेयर कराने के बारे में सोचते हैं, लेकिन इसमें काफी खर्च हो सकता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिससे इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

अगर आप अपने फोन का वॉल्यूम बढ़ाना चाह रहे हैं तो साउंड बूस्टर ऐप डाउनलोड करें, इससे आपके स्मार्टफोन का वॉल्यूम बढ़ जाएगा। आपको बता दें कि आपको इस ऐप की सेटिंग्स में जाना होगा और यहां वॉल्यूम बढ़ाने की परमिशन को ओके करना होगा। साथ ही स्मार्टफोन की अन्य चीजों की परमिशन भी ओके करनी होगी। इसके बाद आप अपनी जरूरत के हिसाब से फोन का वॉल्यूम कम या ज्यादा कर सकते हैं। स्पीकर की जाँच करें आपको सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए कि कोई कण स्पीकर में प्रवेश नहीं कर रहा है जिससे स्पीकर से कम ध्वनि आ रही है। हेडफोन का उपयोग करने का भी प्रयास करें। इससे आपको पता चल जाएगा कि फोन के वॉल्यूम फीचर में दिक्कत है या स्पीकर में दिक्कत है। इसके बाद आप इसमें अपने हिसाब से बदलाव कर सकते हैं.

स्पीकर ख़राब होने पर ऐसा करें अगर स्पीकर खराब हो गया है तो सबसे पहले आपको ईयरबड्स की मदद से स्पीकर को साफ करना होगा। आप चाहें तो थिनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. थिनर में कई खूबियां हैं, जिनमें सबसे बड़ी खासियत यह है कि थिनर से सफाई करने पर फोन के किसी दूसरे हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचता है। थिनर का उपयोग करते समय आपको इसकी मात्रा का भी ध्यान रखना होगा। इसके बाद स्पीकर को साफ कपड़े से पोंछ लें

YouTube को लेकर बड़ा अपडेट यूजर्स को होगा दुगना लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 सितम्बर : गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने चुनिंदा देशों में लो-कॉस्ट सब्सक्रिप्शन प्लान 'प्रीमियम लाइट' को समाप्त करने की घोषणा की है। 'द वर्ज' की रिपोर्ट के मुताबिक, कस्टमर्स को भेजे गए ईमेल में कंपनी ने घोषणा की है कि वह इस साल 25 अक्टूबर के बाद 'प्रीमियम लाइट' को बंद कर देंगे। यूट्यूब ने ईमेल में लिखा, ₹हम आपको यह बताना चाहते हैं कि 25 अक्टूबर, 2023 के बाद, हम प्रीमियम लाइट का आपका वर्जन पेश नहीं करेंगे।₹ इसमें कहा गया है, ₹हम 'प्रीमियम लाइट' के अलग-अलग वर्जन पर काम करना जारी रख रहे हैं। हम अपने यूजर्स, क्रिएटर्स और पार्टनर्स से मिल रहे फीडबैक पर भी गौर कर रहे हैं।₹

यूट्यूब का 'प्रीमियम लाइट' प्लान, जिसकी लागत 7.39 डॉलर प्रति माह है, पहली बार 2021 में चुनिंदा यूरोपीय देशों में पेश किया गया था, जिसमें बेल्जियम, डेनमार्क, फ़िनलैंड, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। यह यूट्यूब ऐप्स और फॉर्मेट्स में ऐड-फ्री व्यूइंग की सुविधा प्रदान करता है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें प्रीमियम की अन्य फीचर्स जैसे ऑफलाइन डाउनलोड, बैकग्राउंड प्लेबैक या कोई यूट्यूब म्यूजिक लाभ शामिल नहीं हैं।

मौजूदा 'प्रीमियम लाइट' सब्सक्राइबर्स को जल्द ही ऐड्स के साथ यूट्यूब देखने और ज्यादा महंगे यूट्यूब प्रीमियम में अपग्रेड करने के बीच चयन करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जिसमें यूट्यूब म्यूजिक भी शामिल है। यह रिमूवल यूट्यूब प्रीमियम द्वारा पहली बार इंडिविजुअल प्लान की कीमतें बढ़ाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुआ है। प्लान अब 13.99 डॉलर प्रति माह से शुरू होता है। इस बीच, पिछले साल के अंत में फैमिली प्लान बढ़कर 22.99 डॉलर प्रति माह हो गए। इस बीच, यूट्यूब ने अपने शॉर्ट-वीडियो मेकिंग प्लेटफॉर्म 'शॉर्ट्स' के लिए नए फीचर की घोषणा की है, जो यूजर्स को वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का लाभ उठाने की अनुमति देगा। 'ड्रीम स्क्रीन' फीचर के अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। यह यूजर्स को केवल वही टाइप करके एआई-जनरेटेड वीडियो या इमेज बैकग्राउंड बनाने की अनुमति देगा जो वे देखना चाहते हैं।

केदारनाथ हेली सेवा बुकिंग का इंतजार हुआ ख़तम, खुला पोर्टल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 सितम्बर : केदारनाथ हेली सेवा बुकिंग का इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू हो गई है। अक्टूबर की बुकिंग 27 सितंबर से की जा रही है । बुकिंग की नई डेट सामने से यात्रियों को बड़ी राहत मिली चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले तीर्थयात्री अबकी पिछले साल का भी रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी में हैं। अब तक केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत हेमकुंड साहिब में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 42 लाख पार हो चुका है, अभी लगभग डेढ़ माह का समय बाकी है। सरकार को उम्मीद है कि श्रद्धालुओं की संख्या 50 लाख पार करेगी।

चारधाम यात्रा के इतिहास में पिछले साल सबसे अधिक 46 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का रिकॉर्ड बना था। इस साल 22 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने से चारधाम यात्रा का आगाज हुआ, जबकि 25 अप्रैल को केदारनाथ और 27 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद यात्रा पूर्ण रूप से शुरू हुई।

शुरुआत से यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। मौसम की चुनौतियों के बाद भी आस्था के आगे तीर्थयात्रियों के कदम नहीं रुके। जिससे सरकार को चार धामों में भीड़ नियंत्रित करने के लिए बीच-बीच में पंजीकरण बंद करना पड़ा। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चार धाम समेत हेमकुंड साहिब में अब तक 42 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। नवंबर माह तक यात्रा संचालित होगी।

हरिद्वार : मुकम्मल ना हुआ इश्क तो प्रेमी जोड़े ने उठाया खौफ़नाक कदम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 सितम्बर : हरिद्वार से बेहद अफ़सोसनाक खबर सामने आ रही है एक प्रेमी युगल ने प्लास्टिक के सेलोटेप से अपने हाथ बांधकर गंगनहर में छलांग लगा दी। दोनों को छलांग लगाता देख लोगों ने सूचना पास में ही स्थित जल पुलिस चौकी को दी। जल पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला।

युवती की हालत खराब होने पर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। जबकि युवक की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। कोतवाली प्रभारी मनोज मैनवाल ने बताया कि युवती रुड़की और युवक कासगंज लखनऊ का रहने वाला है। दोनों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

बीते दिन दोपहर के समय एक युवक और युवती गंगनहर के सोलानी पार्क पहुंचा और आपस में हाथ बांधकर अचानक ही गंगनहर में छलांग लगा दी जिसके बाद दोनों डूबने लगे। इतने में मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई इसके बाद गंग नहर में डूब रहे प्रेमी जोड़े को जल पुलिस के द्वारा अपनी जान पर खेल कर दोनों की जान बचाकर गंग नहर से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद दोनों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर एक की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

दिल्ली से कोटद्वार के लिए शुरू होगी ट्रेन सेवा रेल मंत्री ने दी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 28 सितम्बर : दिल्ली से कोटद्वार के लिए शुरू होगी ट्रेन सेवा रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्र लिख कर दी जानकारी राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी ने कुछ दिन पहले ही रेल मंत्री से की थी ट्रेन चलाने की सिफारिश। रेल मंत्री ने सांसद बलूनी को पत्र लिखकर कहा कि अनिल बलूनी जी, कृपया अपने पत्र दिनांक 01.09.2023 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसमें आपने जन सुविधा के लिए दिल्ली से कोटद्वार के लिए ट्रेन सेवा के संबंध में अनुरोध किया है। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि दिल्ली कोटद्वार ट्रेन को स्वीकृत कर दिया गया है। राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी की पहल हुई साकार कोटद्वार से दिल्ली के बीच सुगम रेल सेवा की मांग हुई पूरी रेल मंत्री भारत सरकार अश्विनी वैष्णव ने सांसद की मांग को किया पूरा, कोटद्वार-गढ़वाल क्षेत्र की जन अपेक्षाओं का सम्मान करते हुए रेल मंत्री ने दिल्ली-कोटद्वार ट्रेन की स्वीकृति का पत्र किया जारी, राज्यसभा अनिल बलूनी ने रेल मंत्री का हृदय से आभार किया प्रकट ,

सतपाल महाराज ने दिया सर जॉर्ज एवरेस्ट कॉर्टोग्राफी म्यूजियम का तोहफा

महान भारतीय पर्वतारोही राधानाथ सिकदर के नाम से जाना जायेगा हैलीपैड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी , 28 सितंबर , विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में राज्य में विभिन्न स्थानों पर पर्यटन विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस वर्ष UNWTO द्वारा विश्व पर्यटन दिवस की थीम Tourism and Green Investment निर्धारित की गयी है। सर जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज द्वारा कॉर्टोग्राफी म्यूजियम का लोकार्पण करने के साथ-साथ जॉर्ज एवरेस्ट स्थित हैलीपैड को महान भारतीय पर्वतारोही राधानाथ सिकदर को समर्पित किया गया।

पर्यटन मंत्री महाराज ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में सर जॉर्ज एवरेस्ट तथा राधानाथ सिकदर द्वारा किये गये पर्वतारोहण तथा सर्वे के कार्यों की सरहाना करते हुए जॉर्ज एवरेस्ट कॉर्टोग्राफी म्यूजियम को भारत के सभी महान पर्वतारोहियों को समर्पित किया। यह म्यूजियम अपने आप में एक अनूठा म्यूजियम है, जिसमें सर जॉज एवरेस्ट द्वारा किये गये Great Trigonometric Arc Survey तथा भारतीय पर्वतारोहियों द्वारा विभिन्न हिमालयी चोटियों के सर्वे को दर्शाया गया है। साथ ही सर्वे में प्रयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों की भी जानकारी म्यूजियम में दी गयी है ।पर्यटन मंत्री ने पर्यटन विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों जानकारी देते हुए राज्य के विभिन्न जनपदों में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के विषय में भी अवगत करवाया। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उपस्थित अतिथियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि विश्व पर्यटन दिवस - 2023 के अवसर पर भारत सरकार द्वारा आयोजित Best Tourism Village प्रतियोगिता के अन्तर्गत पिथौरागढ़ जनपद स्थित सरमोली गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में भारत सरकार द्वारा सभी राज्यों से पर्यटक ग्रामों की सूचना तथा प्रस्तुतिकरण का आवेदन मांगा गया था। प्रस्तुतिकरण में पर्यटक ग्रामों में पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और पर्यटकों के लिए होम स्टे आदि सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। भारत सरकार द्वारा यह पुरस्कार राज्य द्वारा पर्यटन में सामुदायिक भागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

ऋषिकेश महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की लगेगी मूर्ति : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 28 सितंबर , श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश कैम्पस में छात्रसंघ समारोह के दूसरे दिन क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और छात्रों का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने महाविद्यालय परिसर पर स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति तथा बीए संकाय से बीएससी संकाय तक 280 मीटर सड़क एमडीडीए द्वारा बनाए जाने की घोषणा की।

कैम्पस में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि उनके अथक प्रयासों से ऋषिकेश में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का कैंपस पहुंचा और मुख्यमंत्री जी से आग्रह करने पर यहाँ 25 करोड़ 19 लाख 15 हजार की लागत से प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन का निर्माण हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों को यहां आने छात्रों को सुविधा मिलेगी। कहा कि इसके लिए भविष्य में बाहर नहीं जाना पड़ेगा। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक वर्ष छात्र संघ समारोह के दौरान उनकी विधायक निधि से महाविद्यालय को सदेव सहयोग दिया गया है।

डॉ अग्रवाल ने महाविद्यालय से शिक्षा ले रहे छात्रों से आवाहन किया। कहा कि हमेशा एक प्रण लेकर आगे बढ़ें। कहा कि जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, लीडर की भूमिका में रहकर कार्य करें। कहा कि जिस समय जो कार्य कर रहे हों, उस समय पूरा ध्यान उस कार्य पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के महत्व को समझना जरूरी है। जो समय निकल गया वह कभी वापस नहीं आयेगा, इसलिए समय का पूरा सदुपयोग करें।डॉ अग्रवाल ने महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं से कहा कि हमारी सरकार ने बहन, बेटियों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत का क्षेतिज आरक्षण देकर उनका सम्मान किया है। कहा कि बेटियां सरकारी नोकरियों की तैयारी करें, जिससे आपको आरक्षण का लाभ मिल सके। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर संवेदनशील है। बताया कि धामी सरकार ने उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के स्तर पर भर्ती परीक्षाओं में जिन लोगों ने भी नकल कराई है, उनके खिलाफ कड़ा एक्शन तत्काल लिया है।

डॉ अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित की

जाए। इसी उद्देश्य से उत्तराखण्ड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून बनाया गया है। बताया कि धामी जी की सरकार का इतना सख्त कानून बनाने का उद्देश्य है कि राज्य के युवाओं का भविष्य उज्ज्वल रहे। युवाओं को अपनी मेरिट के आधार पर नौकरी मिलें। देश में इतना सख्त कानून किसी भी अन्य राज्य में नही है। बताया कि अब जो कोई भी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ करेगा, उसे उम्र कैद और 10 साल की सजा दी जाएगी। साथ ही संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। कहा कि इससे गरीब का बच्चा भी अपनी मेहनत के दम पर नौकरी पाएगा और अमीर का बच्चा यदि उसमें टेलेंट है, तो ही नौकरी पाएगी।

अन्यथा धनबल के दम पर नौकरी नहीं पा सकेगा।डॉ अग्रवाल ने कहा कि नीति स्पष्ट हो, नीयत साफ हो और इरादे नेक हो, तो आप इच्छित परिणाम ला सकते हैं। इस मौके पर महंत श्री भरत मंदिर वत्सल प्रपन्नाचार्य, कुलपति श्रीदेव सुमन प्रोफेसर एनके जोशी, प्राचार्य श्रीदेव सुमन प्रो. महावीर रावत, जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रतीक कालिया, व्यापारी नेता अखिलेश मित्तल, मंडल अध्यक्ष भाजपा सुमित पवार, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सती, वरिष्ठ पार्षद शिवकुमार गौतम, प्रधान रायवाला सागर गिरी, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा माधवी गुप्ता, डीन बीके सिंह, छात्र संघ महासचिव अमन पांडे, उपाध्यक्ष केशव पोरवाल, अभाविप के जिला संयोजक शुभम शर्मा, नगर मंत्री अनिरुद्ध शर्मा, जिला प्रमुख विवेक शर्मा, छात्र नेता आशीष थापा, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल, प्रो. कंचन लता, प्रो. प्रीति खंडूरी, प्रो. वीके गुप्ता, अभिनव पाल सहित सैकड़ो की संख्या में छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

डेंगू के बेकाबू होने पर आप ने स्वास्थ्य निदेशालय में दिया धरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , आज आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सह संगठन समन्वयक डीके पाल के नेतृत्व में एकत्रित होकर डेंगू से प्रदेश और शहर के बिगड़े हालातो को लेकर स्वास्थ्य निदेशालय का घेराव किया । इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की एवं वहीं धरने पर बैठ गए। इस दौरान प्रदेश सह संगठन समन्वयक डी के पाल ने कहा कि राज्य में डेंगू का प्रकोप जारी है और अस्पतालो में स्वास्थ्य सेवाये धरातल पर नजर नहीं आ रही है इसी कारण से कारण से डेंगू से राज्यवाशियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा जो कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और जिसे आम आदमी पार्टी बर्दास्त नहीं करेगी ।

इसलिए इस विषय पर आम आदमी पार्टी के कुछ सवाल भी है जो निम्न हैँ --

1- क्या नगर निगम के अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी सरकारी स्कूलों प्राइवेट स्कूलों कॉलेज एवं विश्वविद्यालय का निरीक्षण करके वहां पर पनपने वाले प्यूप्स एवं लार्वा की

रोकथाम के उपायों पर जानकारी दे रहे हैं?

2- क्या नगर निगम के अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण कर डेंगू से रोकथाम के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं?

3- क्या नगर निगम के अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी सरकारी कार्यालय एवं संस्थानों व कंपनियों के प्राइवेट कार्यालयों का निरीक्षण करके वहां पर रोकथाम के उपायों की सलाह दे रहे हैं?

4- क्या नगर निगम के अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी भवन निर्माण की बड़ी-बड़ी साइटो पर जाकर निरीक्षण करके पनपने वाले प्यूपा और लार्वा से बचने की सलाह दे रहे हैं?

5- क्या नगर निगम के अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी नगर के बाजारों में स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं छोटी-छोटी दुकानों मैं पनपने ?वाले लार्वा की रोकथाम के लिए समुचित उपाय की सलाह दे रहे हैं?

6- शहर की झुंगी झोपड़ियो एवं बस्तियों में जो एंटी डेंगू केमिकल्स का छिड़काव एवं स्मोकिंग किया जा रहा है उसे पर गुणवत्ता नियंत्रण किस स्तर पर किया जा रहा है?

7- एंटी डेंगू केमिकल्स की खरीदारी की गुणवत्ता का नियंत्रण एवं सुपरविजन क्या आपकी नजर में एक महत्वपूर्ण विषय है?

8- क्या नगर निगम एवं चिकित्सा विभाग के स्तर से डेंगू से रोकथाम के उपायों के लिए समाचार पत्रों मल्टीमीडिया एवं रेडियो पर विज्ञापन देकर आम जनता को जागरूक किया जा रहा है?

आम आदमी पार्टी आपसे उम्मीद करती है कि इस आपदा के नाजुक समय में भ्रष्टाचार पर नकेल बंदी करना अति आवश्यक होगा। मानव कल्याण के लिए आप सभी जिम्मेदार अधिकारी इस पर विशेष ध्यान देंगे। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने भी प्रदेश सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार का ध्यान डेंगू की ओर न हो करके इस वक्त चुनाव की तैयारी में लगा हुआ है जो कि जनहित की दृष्टि से दुर्भाग्यपूर्ण है एवं इस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री भी विदेश में सैर सपाटे को गए हुए हैं जो की अपने आप में एक प्रश्न चिन्ह है । इस दौरान प्रदेश सचिव नासिर खान, मंजू शर्मा, रेहाना परवीन, राजीव तोमर ,आजाद अंसारी ,सुशील सैनी ,श्याम बाबू पांडे ,योगेंद्र चौहान ,कासिम चौधरी ,आयशा खान , सुनील धागट ,यामिनी आले, रविंद्र कुमार, पंकज अरोड़ा, राजेश कुमार ,लकी सिंह, नितिन सैनी ,भजन सिंह ,राम कौशिक सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे ।

ये खास हेलमेट आराम के साथ देगा सिर को पूरी सेफ्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , अगर आप इन दिनों एक ऐसा हेलमेट खरीदने की सोच रहे हैं जोकि स्टाइलिश होने के साथ-साथ आपकी सिर को भी पूरी सेफ्टी दे तो नया Steelbird पॉलीकार्बोनेट SA-2 टर्मिनेटर 2.0 एयरोडायनामिक फुल फेस ग्राफिक हेलमेट आपके लिए सही चॉइस बन सकता है। इस हेलमेट को खास यूथ को ध्यान में रखते हुए ही डिजाइन किया गया है। इस हेलमेट का डिजाइन और इसका कम्फर्ट आपको काफी पसंद आने वाला है।

स्पोर्टी डिजाइनः

यह हेलमेट एरोडायनामिक डिजाइन में है और इसमें स्टाइलिश ग्राफिक दिए गये हैं। यह एक फुल-फेस हेलमेट हैं, जो राइडर्स को सड़क पर पूरी सेफ्टी देने का वादा करता है। हेलमेट के बेक साइड में Spoiler लगा है जिससे इसका डिजाइन स्पोर्टी लगता है। यह हेलमेट एयरोडायनेमिक थर्माप्लास्टिक शेल्स से बना है, इसमें एक हाई-डेनसिटी ईपीएस और एक इनोवेटिव एंटी-स्क्रैच कोटिंग के साथ एक polycarbonate (पीसी) वाइज़र भी है। यह हेलमेट हाई इम्पैक्ट रेसिस्टेंस थर्माप्लास्टिक शेल से बना है।

इसमें multiple एयर वेंट दिए गये हैं ताकि हेलमेट पहनते समय आपको हवा मिलती रहे और पसीना न आये। यह हेलमेट BIS सर्टिफिकेशन (IS 4151:2015) से लैस है। इसके अलावा इसमें हाई डेंसिटी चीक पैड EPS से लैस और इससे आपको सेफ्टी मिलती है। इस हेलमेट का वजन 1350 ग्राम है। यह हेलमेट क्लियर वाइज़र और एक्स्ट्रा स्मोक वाइज़र के साथ आता है।

इस हेलमेट को हम पिछले कई दिनों से यूज़ कर रहे है, पहनने के बाद यह सिर पर भारी नहीं पड़ता। आरामदायक रहता है। हवा का फ्लो बराबर रहता है और मुझे पसीना नहीं आया।

इसका वाइजर एक दम क्लियर रहता है और राइड के दौरान कोई दिक्कत नहीं होती। इसका इंटीरियर भी काफी सॉफ्ट और हाई क्वालिटी से लैस है। यह हेलमेट स्किन और सिर की त्वचा के लिए भी अच्छा है। हेलमेट के इंटीरियर को आसानी से निकाला और धोया जा सकता है।

जब घूमती रहती है धरती तो हम गिरते क्यों नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , हम जिस धरती पर रहते हैं, उसके बारे में हमें बहुत कुछ पता है. इसकी खूबसूरती और हरी-भरी वादियों के अलावा यहां मौजूद एक से बढ़कर एक चीज़ें ऐसी हैं, जिनके रहस्य के बारे में हमें आमतौर पर पता नहीं होता. कुछ खगोलीय घटनाएं भी ऐसी होती हैं, जिसके पीछे की वजह विज्ञान भले ही जान ले लेकिन हमारे लिए वो चमत्कार जैसी ही हैं. मसलन धरती गोल है और ये लगातार घूमती रहती है लेकिन हमें कभी भी महसूस क्यों नहीं होता ?आपने इस सवाल के बारे में कभी न कभी सोचा ज़रूर होगा और हो सकता है कि इसका जवाब भी आपको विज्ञान की किताबों में मिला होगा. हालांकि हर वक्त इस बारे में शायद ही किसी को याद रहता होगा. यही वजह है कि इसका जवाब सोचने के लिए आपको सिर खुजलाना पड़ जाता है. चलिए आपको बताते हैं कि आखिर वो क्या वजह है कि धरती अपनी धुरी पर लगातार घूमती रहती, फिर भी अगर हम अपनी जगह पर स्थिर रहते हैं और गिरते नहीं.

धरती घूमती है, पर हम क्यों नहीं?

इस सवाल का जवाब जानने के लिए आपको ज़रा भौतिक शास्त्र के बारे में समझना होगा. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर जब ये सवाल लोगों ने पूछा तो इसका जवाब बहुत से लोगों ने दिया. बचपन में ही पढ़ाए जाने वाला स्थिरता का नियम यहां भी लागू होता है. दरअसल हमारी धरती 24 घंटे अपनी धुरी पर घूमती रहती है. धरती की रफ्तार 1600 किलोमीटर प्रति घंटा होती है. इसके एक चक्कर में ही दिन और रात होते हैं. हम इसे महसूस नहीं कर पाते हैं क्योंकि धरती के साथ-साथ उसी रफ्तार से हम भी घूम रहे होते हैं. हमारे आस-पास का वातावरण और सब कुछ घूमता है और हमारा शरीर इस रफ्तार का आदी हो जाता है.

चूंकि पृथ्वी की गति नियत है यानि ये एक ही रफ्तार से घूमती है, इसलिए हम महसूस नहीं कर पाते. अगर ये कहीं अपनी रफ्तार बढ़ाए या घटाए या फिर कहीं पृथ्वी रुक जाए, तब हमें ज़ोर का झटका लगेगा और हम समझ पाएंगे कि हम सफर में थे. ठीक उसी तरह से, जैसे हम हम किसी फ्लाइट पर 800 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जा रहे होते हैं और हमें पता नहीं चलता लेकिन जब ये नीचे आता है और रुकता है, तब हमें जर्क यानि झटका लगता है. यात्रा में भी शरीर के नीचे का हिस्सा तो सेटल होता है लेकिन ऊपरी हिस्से को तेज़ झटका लगता है.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 4800 करोड़ के निवेश का करार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लंदन , 28 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लंदन प्रवास रंग ला रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु लंदन में उनके विदेशी औद्योगिक घरानों के साथ आयोजित बैठकें सफल रही और लंदन के औद्योगिक जगत में उत्तराखंड सुरक्षित निवेश की संभावनाओं के रूप में उभरा। राज्य में औद्योगिक निवेश के लिए मुख्यमंत्री जी ने रोड शो में प्रतिभाग करते हुए लंदन के कई प्रमुख बिजनेस हाउसेस के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में अलग-अलग कंपनियों के साथ 4800 करोड़ के इनवेस्टमेंट एमओयू साइन किए गए। औद्योगिक समूह कयान जेट के साथ दो अलग-अलग एमओयू में 3800 करोड एवं उषा ब्रेको के साथ 1000 करोड़ रुपए के इनवेस्टमेंट के एमओयू साइन किए गये। कयान जेट द्वारा उत्तराखण्ड में स्कींग रिसॉट विकसित करने के लिए 2100 करोड़ एवं केबल कार प्रोजेक्ट के लिए 1700 करोड़ का इनवेस्टमेंट एमओयू साइन किया गया। कयान जेट द्वारा द्वारा औली, दयारा बुग्याल और मुन्स्यारी में स्कींग रिसॉट प्रोजेक्ट्स विकसित करने को लेकर सहमति बनी। इसके साथ ही रोपवे के क्षेत्र में अग्रणी उषा ब्रेको लिमिटेड के साथ हरिद्वार और अन्य जनपदों में रोपवे विकसित करने पर सहमति बनी। लंदन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शिक्षा, पर्यटन, आईटी और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न 80 उद्योग घरानों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने इंडिया हाउस और पार्लियामेंट हाउस का दौरा भी किया और ब्रिटेन की संसद के सदस्यों से चर्चा वार्ता की। भ्रमण के दौरान प्रदेश सरकार के डेलिगेशन ने लंदन ने टूर एंड ट्रेवलिंग क्षेत्र से जुड़े प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की और राज्य में बेहतर परिवहन तकनीक पर विचार साझा किये।मुख्यमंत्री धामी ने सभी निवेशकों को आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट हेतु उत्तराखण्ड आने के लिए आमंत्रित किया किया। संयोग से आज विश्व पर्यटन दिवस भी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड को ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन बाने की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है उत्तराखण्ड में वेलनेस टूरिज्म और विलेज टूरिज्म जैसी अनेक सम्भावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में ऋषिकेश योग और आध्यात्म की वैश्विक राजधानी के रुप में जाना जाता है। यूरोप से लेकर अन्य देशों के पर्यटक हर साल बड़ी तादात में योग आध्यात्म के लिए उत्तराखण्ड का रुख करते हैं। धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार ऋषिकेश एवं अन्य स्थानों पर विश्वस्तरीय कन्वेशनर सेंटर की स्थापना हेतु निवेशकों से बातचीत कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित जी20 समिट के सफल आयोजन से ब्रिटेन और भारत दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 2.5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है जो प्रदेश की आर्थिकी को नई गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त महामहिम विक्रम दोरईस्वामी ने उत्तराखण्ड सरकार की विभिन्न नीतियों और सकारात्मक विजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देश की राष्ट्रीय राजधानी से कुछ दूरी पर होने के कारण कारण दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए वीकेंड्स डेस्टिनेशन के रुप में विकसित हो गया है। उच्चायुक्त ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी से जुड़े स्मरण साझा किए। इस अवसर पर सचिव मुख्यमंत्री डॉ आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा, स्थानीय आयुक्त अजय मिश्रा समेत डेलिगेशन के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

- विदेशी निवेशकों में बढ़ा उत्तराखंड में निवेश का क्रेज, देवभूमि में औद्योगिक संभावनाओं को माना सुरक्षित
- उत्तराखण्ड सरकार का कयान जेट से साथ 3800 करोड़ का एमओयू
- उषा ब्रेको लिमिटेड के साथ हुआ 1000 करोड़ का एमओयू
- उत्तराखण्ड में 2.5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य की ओर अग्रसर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी
- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने ब्रिटेन की पार्लियामेंट का भ्रमण किया और ब्रिटिश संसद सदस्यों के साथ विचार साझा किये

गढ़वाल : गहरी खाई में गिरा वाहन, दो लोगों की मौके पर मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी 28 सितंबर : खराब मौसम के बीच उत्तराखंड में जगह-जगह सड़क हादसे हो रहे हैं। एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर टिहरी गढ़वाल से आई है। जहां बीते दिन एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। हादसे के वक्त वाहन में दो लोग सवार थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्गम मार्ग और रात का वक्त होने की वजह से रेस्क्यू टीमों को शवों को खाई से निकालने में मशक्कत करनी पड़ी।

बीते दिन रोप के जरिए खाई में उतर कर शवों को रोप व स्ट्रेचर के जरिए खाई से बाहर निकाल कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया।साथ ही पुलिस चौकी नैनबाग द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि नैनबाग क्षेत्र मरोड़ बैंड के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया है।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम जरूरी उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर पता चला कि वाहन मे दो लोग सवार थे, लेकिन टीम के

पहुंचने तक दोनों की मौत हो चुकी थी। रात के वक्त अंधेरे की वजह से शवों को खाई से बाहर नहीं निकाला जा सका। फिर एसडीआरएफ की टीम ने रोप के जरिए खाई में उतर कर वाहन तक पहुंच बनाई और दोनों शवों को रोप व स्ट्रेचर के माध्यम से खाई से बाहर निकाल कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया। घटना के वक्त वाहन बड़कोट से देहरादून की ओर जा रहा था। तभी मरोड़ बैंड के पास चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद वाहन गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में विजय वालिया पुत्र रामचंद्र वालिया उम्र लगभग 53 वर्ष और पवन कुमार पुत्र रतन सिंह, उम्र 67 वर्ष की मौत हो गई। विजय वालिया देहरादून व पवन कुमार हरिद्वार के रहने वाले थे। अचानक हुए इस हादसे के बाद मृतकों के घर में कोहराम मचा है।

बहुचर्चित अभियुक्त दीपक मित्तल के पिता व गैंग के सहअभियुक्त अरेस्ट

निवशकों के करोडों रूपये डकराने वाले बहुचर्चित अभियुक्त दीपक मित्तल से जुड़ा मामला

White Collar Crime में लिप्त अपराधियों पर अभियान चलाकर दून पुलिस सख्त कार्यवाही कर रही है, ऐसे अपराधों में शामिल सभी अपराधियों को किसी भी दशा में बक्शा नहीं जायेगा और संपतियो को जब्त करने के प्रक्रिया भी तेजी से की जा रही है :- एसएसपी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , बहुचर्चित पुष्पांजली डेवलपर्स फ्लैट प्रकरण में निवेशकों के करोड़ो रू0 हडप कर फरार चल रहे मित्तल परिवार के विरूद्ध वर्तमान में थाना डालनवाला तथा थाना राजपुर में पुष्पांजली डेवलपर्स के नाम पर लोगों से इन्वेस्टमेंट कराकर उनके साथ करोडों रू0 की ठगी करने वाले दीपक मित्तल, राखी मित्तल, राजपाल वालिया व अश्वनी मित्तल के विरूद्ध पंजीकृत अभियोगों के निस्तारण हेतु एसआईटी का गठन किया गया था, जिसके क्रम में थाना डालनवाला पर मु0अ0सं0: 312/22 धाराः 2/3 गैंगस्टर अधिनियम पंजीकृत किया गया, जिसमें दून पुलिस द्वारा ठोस कार्यवाही करते हुए मुख्य अभियुक्त दीपक मित्तल के पिता एंव ठगी करने वाले गैगं के सदस्य अश्वनी मित्तल को हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त अश्वनी मित्तल पर पूर्व में थाना डालनवाला पर मु0अं0सं0: 88/21 धाराः 420/406/120 बी भादवि, मु0अ0सं0: 191/23 धाराः 420/406/504 भादवि तथा मु0अ0सं0: 312/22 धाराः 2/3 गैंगस्टर अधिनियम का अभियोग पंजीकृत है।

एसआईटी द्वारा उक्त प्रकरण में कार्यवाही करते हुऐ पुष्पांजलि डेवलपर्स व उसके अन्य सहयोगियों के कुल 41 अलग-अलग बैंक खातों, जिनमें वर्ष 2016 से वर्ष 2023 तक लगभग 205 करोड का लेन-देन होना प्रकाश में आया है, को फ्रीज करवाया गया है। खातों की जांच में कई सफेदपोश बिल्डर व कम्पनियों के अन्य पदाधिकारी पुलिस जांच के रडार पर हैं।

इसके अतिरिक्त जांच के दौरान दीपक मित्तल तथा राखी मित्तल के दुबई के तीन अन्य एन0आर0आई0 खाते, जिनमें दीपक मित्तल तथा राखी मित्तल के दो अलग-अलग स्थानों के पते होना भी प्रकाश में आया है, जिन पर जांच प्रचलित है। अभियुक्त अश्वनी मित्तल के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत जांच कर उनके द्वारा अर्जित की गयी अवैध सम्पत्ति के जब्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

सभी धान क्रय केन्द्रों पर समय से वारदाना उपलब्ध करायें : उदयराज सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 28 सितंबर , जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने धान क्रय से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों व क्रय एजेन्सियों के साथ धान खरीद 2023-24 की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने आरएफसी को निर्देश दिये कि सभी धान क्रय केन्द्रों पर समय से वारदाना उपलब्ध करा दे ताकि धान क्रय में वारदाने को लेकर समस्या उत्पन्न न हो। उन्होने आरएफसी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने एक अधिकारी को इस जनपद हेतु नामित करते हुये जनपद में तैनाती करें ताकि धान खरीद में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर समन्वय स्थापित करते हुये त्वरित समाधान किया जा सकें।

उन्होन अपर जिलाधिकारी/धान क्रय प्रभारी को निर्देश दिये कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये एक क्रय केन्द्र लालपुर (किच्छा) में खोला जाये। उन्होने सभी मंडी समिति सचिवों को निर्देश दिये कि सभी क्रय केन्द्रों पर समय से कॉटा, नमी मॉपक यंत्र, पंखा, पीने का पानी, किसानों के बैठने आदि सभी व्यवस्था समय से करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सभी क्रय केन्द्रों पर एक-एक वॉट भी रखा जाये ताकि इलैक्ट्रॉनिक कॉटो में किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका होने पर इलैक्ट्रानिक कांटे को वॉट से परीक्षण किया जा सकें। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों

को निर्देश दिये कि सभी क्रय केन्द्रों पर कॉमन धान व ग्रेड ए धान का सैम्पल भी रखा जाये ताकि किसानों को पता चल सकें।

उन्होने सभी धान क्रय एजेन्सियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने सुपरवाईजरो का नाम, मोबाईल नम्बर की सूची अपर जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दें ताकि आवश्यकता पड़ने पर सम्पर्क किया जा सकें। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि धान क्रय केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थान समय से करना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी/धान क्रय प्रभारी जय भारत सिंह, आरएफसी बीएल फिरमाल, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पाण्डेय, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा, वरिष्ठ विपणन अधिकारी अतुल चतुर्वेदी सहित मंडी समिति के सचिव आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

कनाडा 'दूसरा पाकिस्तान'

जिस तरह पाकिस्तान आतंकियों की 'पनाहगाह' है, कनाडा भी उसी राह पर है। पंजाब में जो नौजवान मौजूदा व्यवस्था से नाराज हैं और लंबे वक्त से बेरोजगार हैं, उन्हें खालिस्तान-समर्थक एक खास चि_ी देते हैं। उसके आधार पर उन्हें आसानी से कनाडा का वीजा मिल जाता है। लोकसभा सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने ऐसी चि_ी की पुष्टि की है। चि_ी लेने वाले 35,000 रुपए से एक लाख रुपए अथवा डेढ़-दो लाख रुपए तक का चंदा पार्टी को देते हैं। कनाडा जाने वाले ऐसे पंजाबियों को वहां प्लंबर, ड्राइवर, सेवादार, मैकेनिक, पाठी और रागी आदि के काम भी दिलवा दिए जाते हैं, लेकिन खालिस्तान के भारत-विरोधी धंधों में भी उन्हें शामिल किया जाता है। कनाडा में ऐसे 30 गुरुद्वारे बताए जाते हैं, जिनका पूरा नियंत्रण खालिस्तानियों के पास है। भारतीय पंजाब से जाने वाले चि_ीधारक नौजवानों को इन गुरुद्वारों में ही रहने-ठहरने की जगह दी जाती है। धीरे-धीरे खालिस्तान-समर्थकों की एक 'फौज' तैयार हो जाती है, जो कनाडा के ही नागरिक बना दिए जाते हैं। वे खालिस्तानी ही भारतीय दूतावासों और संस्थानों पर धावा बोल कर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन कनाडा सरकार कोई कारगर कार्रवाई नहीं करती। दोनों देशों के बीच अब यह विवाद और तनाव कूटनीतिक रंग लेता जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा का नाम लिए बिना ही संयुक्त राष्ट्र आम सभा में कहा है कि राजनीतिक सुविधा के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल करना गलत है। सवाल यह है कि क्या कनाडा 'दूसरा पाकिस्तान' बन गया है? खालिस्तानी आतंकवाद और हिंसा को लेकर दोनों देश आपस में साजिशें रच रहे हैं। पाकिस्तान में सरेआम सक्रिय रहे खालिस्तानी अब दहशत के खौफ में भी हैं, क्योंकि भारत ने आतंकी करणवीर सिंह के खिलाफ 'इंटरपोल' का रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा दिया है। अमूमन खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ पंजाब में नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी, हिंसा और हत्या, आपराधिक साजिश की धाराओं में कई प्राथमिकियां दर्ज हैं। समाज और देश के इन दुश्मनों को कड़े सबक सिखाए जाने चाहिए। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की जासूस एजेंसी आईएसआई ने खालिस्तानी आतंकियों की पनाह के लिए, पाक-ईरान की पश्चिमी सीमा पर, सेना मुख्यालय में ही 'सेफ हाउस' बना रखा है। करीब 15 आतंकियों को 12 'सेफ हाउस' में पनाह दी गई है। आजकल कई खालिस्तानी आतंकियों का 'अंतरराष्ट्रीय बेस' पाकिस्तान में ही है। क्या इस संदर्भ में कनाडा-पाकिस्तान साथ-साथ नहीं हैं? चि_ी पाने वाले पंजाब के नौजवानों को कनाडा के अलावा ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और अमरीका में भी 'राजनीतिक शरण' दी जाती रही है। क्या इन देशों ने भारत से कभी पूछा है कि ऐसे चेहरों को 'राजनीतिक शरण' क्यों दी जाए? किन्होंने इनका उत्पीडऩ किया है या मानवाधिकार छीने हैं?

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मुबारक हो! आपने जीत लिया है iPhone 15

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , स्कैमर्स आईफोन 15 सीरीज को लेकर लगातार लोगों को ठग रहे हैं। आईफोन 15 को लेकर मार्केट में काफी क्रेज देखा जा सकता है। लेकिन अब लोगों को ठगने के लिए स्कैमर्स भी एक्टिव हो गए हैं। जब से आईफोन 15 की बिक्री भारत में शुरू हुई है। यहां के हर दूसरे प्रमुख ऑनलाइन स्टोर पर एपल के खास प्रोडक्ट की बिक्री देखने को मिल रही है। एपल की इस सीरीज के लिए गूगल पर अलग-अलग लिंक्स लोगों की ओर से भी सर्च किए जा रहे हैं। लोगों को झांसा दिया जा रहा है कि वे आईफोन 15 जीत सकते हैं।

एक्टिव स्कैमर्स के बीच अब इंडिया पोस्ट की ओर से महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई है। इंडिया पोस्ट ने कहा है कि उनके नाम से यूजर्स के लिए ठगी का जाल लोगों के लिए बिछाया जा रहा है। सबसे पहले यूजर्स को आईफोन 15 के नाम पर स्कैम मैसेज भेजा जाता है। इसके बाद लकी विनर्स को इंडिया पोस्ट के नाम से आईफोन 15 देने की बात कही जाती है। खास बात है कि

स्कैमर्स की ओर से मैसेज को आगे 20 दोस्तों को भेजने की बात भी कही जाती है। यूजर्स को कहा जाता है कि पोस्ट को आप 5 ग्रुपों में भी शेयर कीजिए। इसके बाद झांसा दिया जाता है कि यूजर्स को एक लिंक भेजा जाएगा।

लिंक पर क्लिक करने का दे रहे झांसा

इस लिंक को क्लिक करना होगा। जिसके बाद ही यूजर्स लकी विनर बनने के लिए अपने इनाम को यहां पर क्लेम कर सकेंगे। इंडिया पोस्ट की ओर से बताया गया है कि यूजर्स को पूरी तौर पर अलर्ट रहने की जरूरत है। साफ तौर पर लोगों को चेताया गया है कि इंडिया पोस्ट की ओर से किसी भी यूजर्स को ऐसा कोई मैसेज नहीं भेजा गया है। जिसमें उनको आईफोन 15 दिए जाने की या जीतने के बारे में दावा किया गया हो। ये सब फ्रॉड है। इस तरह के लालच में डालने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। नहीं तो आपको नुकसान झेलना पड़ सकता है।

जानिए बचाव का तरीका

आपको सावधान किया जाता है कि आईफोन को एपल के आधिकारिक स्टोर से ही खरीदना चाहिए। वहीं, ऑनलाइन खरीदारी के लिए किसी ऑफिशियल साइट का निरीक्षण भी किया जा सकता है। कोई अनजान लिंक दिखे तो उस पर क्लिक करने से बचें। ऐसा करने से आपको आर्थिक चपत भी लग सकती है।

क्या आप टीवी देखते समय लाइट ऑफ़ कर देते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , स्मार्ट टीवी आने के बाद डिस्प्ले क्वालिटी में भी बदलाव हुआ है. कोई टीवी OLED डिस्प्ले तो कोई pOLED के साथ आते हैं. बाज़ार में हर रेंज का टीवी आने के बाद अब हर कोई चाहता है कि बेहतर डिस्प्ले का एक्सपीरिएंस किया जा सके. टीवी देखते समय हम कई बार लाइट को ऑन करके रखते तो कई बार हम पूरा अंधेरा करके टीवी देखना पसंद करते हैं. लेकिन कई बार हमारे मन में ये सवाल आता है कि टीवी देखते समय लाइट को बंद कर देना चाहिए या ऑन रखना चाहिए.

अंधेरे में टीवी देखना पसंद करने का एक कारण ये भी होता है कि ये काफी सिनेमा जैसी फील देता है. जब आप कभी फिल्में देखने गए होंगे, तो आपने देखा होगा कि फिल्में शुरू होते

ही सभी लाइट बंद कर दी जाती हैं. इससे मुख्य फोकस स्क्रीन पर रहता है और किसी अन्य चीज से ध्यान नहीं भटकता है. अंधेरे में टीवी देखने से पिक्चर क्वालिटी भी बेहतर होती है.

लाइट में टीवी देखा तो क्या होगा?

कई लोग अंधेरे में टीवी देखना इसलिए पसंद करते हैं ताकि टीवी पर रोशनी न पड़े. अगर आपने कभी तेज रोशनी वाले कमरे में टीवी देखा है और टेलीविजन में एक रिफ्लेक्टिव पैनल है, तो स्क्रीन पर लाइट ज़्यादा पड़ती है, और इससे टीवी पर कुछ भी देखने में परेशानी होती है. अंधेरे कमरे में तेज रोशनी वाली स्क्रीन देखने में समस्या यह है कि अंधेरे वातावरण को एडजस्ट करने के लिए आपकी आंखों की पुतलियां फैल जाएंगी. अंधेरे में टीवी देखने में समस्या यह है कि कमरे में रोशनी और अंधेरे के बीच अंतर के कारण थोड़ी देर बाद आपकी आंखों पर दबाव पड़ना शुरू हो सकता है.

इसलिए सलाह दी जाती है कि टीवी को न बहुत अंधेरे और न ही बहुत तेज रोशनी में देखना चाहिए. कमरे में हल्की रोशनी हो तो आंखों पर ज़्यादा जोर नहीं पड़ता है.

बचपन बचाओ आंदोलन व उत्तराखंड सरकार ने तैयार की बाल विवाह रोकने की कार्ययोजना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित संगठन बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) ने 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत स्वयंसेवी संस्थाओं को लामबंद कर इस मुहिम से जोड़ने के लिए उत्तराखंड सरकार के गृह विभाग के साथ मिल कर देहरादून के आई आर डी टी ऑडिटोरियम सर्वे चौक में एक सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में उत्तराखंड सरकार के विभिन्न महकमों के साथ 2030 तक देश से बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के लक्ष्य को हासिल करने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा पिछले साल 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के एलान के बाद बीबीए देश के सभी राज्यों में इस तरह के सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है, जिसके तहत उत्तराखंड में भी यह आयोजन हुआ।

सम्मेलन में सभी हितधारकों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और उत्तराखंड को बाल विवाह मुक्त बनाने के उपायों की रूपरेखा तैयार की। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड गृह विभाग की अपर सचिव निवेदिता कुकरेती के अलावा प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अपर सचिव प्रशांत आर्य, श्रम विभाग के अतिरिक्त श्रम आयुक्त अनिल पेटवाल और महिला एवं बाल कल्याण विभाग की उप निदेशक सुजाता सिंह भी मौजूद थीं।

'बचपन बचाओ आंदोलन' के कार्यकारी निदेशक धनंजय टिंगल ने सम्मेलन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा, "पिछले साल नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा किए गए आह्वान के बाद पूरे देश में इसकी अप्रत्याशित और आश्चर्यचकित कर देने वाली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। देश भर के 7028 गांवों से 76,000 महिलाएं और बच्चे मशाल लेकर एक साथ सड़कों पर उतरे और बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई। देश के 20 राज्यों में आयोजित होने वाले ये सम्मेलन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक और कदम हैं। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा, "बाल विवाह के खिलाफ प्रभावी तरीके से लड़ाई के लिए हमें एक साझा कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। साथ ही हमें समाज के सबसे असुरक्षित बच्चों के साथ काम करने की भी जरूरत है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि उनके साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने पाए।"

नारी शक्ति वंदन विधेयक को मातृशक्ति का अभिनन्दन : मलिका अली शिरज़ादे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 सितंबर , संसद में महिला आरक्षण बिल पेश किए जाने का स्वागत करते हुए मलिका अली शिरज़ादे ने कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक पीएम मोदी का क्रांतिकारी कदम है जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगा। नारी शक्ति वंदन विधेयक पीएम मोदी की मजबूत इच्छा शक्ति के कारण लोकसभा में पेश किया गया। आज कई दल इस विधेयक का श्रेय लेना चाह रहे हैं। कांग्रेस ने इस बिल को लंबे समय तक लटकाए रखा महिला आरक्षण बिल को विपक्षी दलों ने हमेशा एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया।

अब जब मोदी सरकार ने इस बिल को दोनों सदन में पास करा लिया है तो विधेयक को लेकर श्रेय लेने की होड़ मच गयी है। नारी शक्ति वंदन विधेयक को अस्तित्व में लाना पीएम मोदी का वंदनीय कार्य है। ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में अमृतकाल का भारत का एक नया अध्याय की और बढ़ चुका है। इसके लिए नारी शक्ति को बधाई, युवा अधिवक्ता मलिका अली शिरज़ादे ने आशा जताई है कि इस विधेयक से महिला सशक्तिकरण और मजबूत होगी और उनके समाज को नेतृत्व करने की क्षमता और तेजी से बढ़ेगी।

मलिका अली ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) राजनीतिक सशक्तिकरण प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। यह बहुत प्रगतिशील सोच है. यह आरक्षण विधेयक महिलाओं को समान अधिकार देगा और यह हमारे देश के लिए एक बड़ा कदम है। यह देश की महिलाओं के लिए एक बड़ी जीत है। महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत ही मामूली था, हालाँकि वे हमारे देश और समाज का एक समान हिस्सा थीं। लेकिन आज एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है जिसका मातृशक्ति आभार जता रही है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ राजेश कुमार के निर्देश का असर दिखना शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव डॉ आर. राजेश कुमार के सख्त निर्देशों का असर दिखना शुरू हो गया है। डॉक्टर्स हों या स्वास्थ्य विभाग के ज़िम्मेदार अफसर उन्होंने अस्पतालों में डेंगू की रोकथाम और इलाज़ में गंभीरता दिखानी भी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में उत्तरकाशी में डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए नामित नोडल अधिकारी निदेशक, डॉ0 सुनिता टम्टा, ने जिला चिकित्सालय का दौरा किया और डेंगू के 3 संदिग्ध मरीजों से उनका स्वास्थ्य का हालचाल जाना।

डॉ0 सुनिता टम्टा ने उत्तरकाशी में डेंगू रोकथाम का किया रियलिटी चेक

इस दौरान निदेशक ने जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड, आई0सी0यू0 वार्ड, जनरल वार्ड, कार्डियेक केयर यूनिट, पैथालॉजी लैब, ऑक्सीजन प्लांट, चन्दन लैब, लेबर रूम, आई0डी0एस0पी0 डी0पी0ए0च0एल0 लैब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई एवं व्यवस्था को चाक-चौबन्द सुनिश्चित किये जाने हेतु प्रमुख अधीक्षक को निर्देश दिये गये। साथ ही क्रिटिकल केयर ब्लॉक हेतु चयनित स्थान का निरीक्षण किया गया। इसके बाद निदेशक, डॉ0 सुनिता टम्टा द्वारा जिला चिकित्सालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में ओ0पी0डी0 रजिस्टर, पैथालॉजी लैब में 02 माह से आये बुखार से पीडित मरीजों की रिपोर्ट ली गई एवं आयुष्मान कार्ड व आभा आई0डी0 प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। इसके साथ ही आई0डी0एस0पी0 अनुभाग में डेंगू मरीजों की रिपोर्ट की आई0एच0आई0पी0 पोर्टल पर समीक्षा की गई। जनपद उत्तरकाशी में डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली गई एवं अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि डेंगू से बचाव व रोकथाम के लिए प्रभावी समन्वय के साथ तत्काल आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आर0सी0एस0 पंवार द्वारा बताया गया कि आशा कार्यकत्रियों एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा स्कूलों एवं घर-घर जाकर डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण हेतु गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है एवं घर-घर जाकर सर्वेक्षण कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। आशा कार्यकत्रियों एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा आतिथि तक 67756 घरों का सर्वे कर, 83149 कन्टेनरों का परीक्षण किया गया जिसमें डेंगू का कोई भी लार्वा नही पाया गया। इस बैठक में प्रमुख अधीक्षक डॉ0 बी0एस0 रावत, डॉ0 सुजाता सिंह, डॉ0 बी0एस0 पांगती, डॉ0 पी0एस0 पोखरियाल, डॉ0 विकास सेमवाल, डॉ0 बीना रमोला, डॉ0 अदिति बिष्ट, जे0के0एस0 बमपाल, हरदेव राणा, अनिल सिंह एवं धीरेन्द्र राणा उपस्थित रहें।